दृष्टि The Vision

drishti

सामान्य अध्ययन

निर्धारित समय: 1 घंटा 30 मिनट
Time allowed: 1 Hour 30 Minutes

अधिकतम अंक: 125
Maximum Marks: 125

Name: Narayan Upadhyay

Mobile Number: ______________________

Medium (English/Hindi): ______________

Email: ______________________

Center & Date: ______________________

UPSC Roll No.: ______________________

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

All the questions are compulsory.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Answer Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks
1.	
2.	
3.	
4.	
5.	
6.	
7.	
8.	
9.	
10.	
Grand Total (सकल योग)	

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1. 4. प्रगतिशील समाज परंपराओं को पछाड़ देते है जैसे बच्चे अपने पुराने कपड़ो को छोड़ देते है –

" स्थिर समाज तालाब में रुके हुए पानी की भाँति होता है जिसमें समय के साथ दुर्गंध आने लगता है"

बात 1776 की है उस दिन न्यूयार्क में एक बहुत बड़ी सभा आयोजित हुई, जिसमें बड़े पैमाने पर लोगों ने भाग लिया जिसका प्रमुख कारण तात्कालिन ग्रेनविल की सरकार (ब्रिटेन का प्रधानमंत्री) के प्रतिक्रियावादी व शोषणकारी नीतियों का विरोध करने के लिए जिसमें नौपरिवहन कानून को कड़ाई से लागू करना, स्टाम्प व शुगर एक्ट को लागू करना था ताकि अमेरिकी उपनिवेशों का ब्रिटिश हित में शोषण किया जा सके लेकिन अमेरिकी जनता ने इसे स्वीकार नही किया और स्टाम्प एक्ट कांग्रेस

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

को बुलाया गया और वहा से लोगों ने कहा कि अमेरिका का कोई भी प्रतिनिधि ब्रिटिश संसद में नहीं बैठता अतः प्रतिनिधित्व नहीं तो कर नहीं (No Taxation without Representation) यहीं से अमेरिकी क्रांति की शुरुआत हुई जिसने यह सिद्ध कर दिया कि प्रगतिशील समाज परंपराओं को छोड़ देते हैं।

यदि हम अमेरिकी क्रांति के परिणामों को देखे तो यह विश्व के लिए एक महत्वपूर्ण घटना मानी जा सकती है यह विश्व का पहला ऐसा देश बना जिसने लिखित संविधान को अपनाया, मौलिक अधिकारों को लागू किया भारतीय संविधान के भाग-3 में शामिल मूल अधिकार वहीं से प्रभावित है, राज्यों की स्वायत्तता को ध्यान में रखते हुए संघीय व्यवस्था को अपनाया आगे चलकर अमेरिकी गृहयुद्ध के उपरांत दासों व

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

महिलाओं को भी अधिकार मिले फिर रंगभेद के खिलाफ भी रोजा पार्क्स के द्वारा विरोध किया जाना और फिर विकास की प्रक्रिया में इनको शामिल किया जाना प्रगतिशीलता को ही दर्शाता है।

वही बात अगर फ्रांस के क्रांति की करे तो हमें वहा भी प्रगतिशीलता के लक्षण देखने को मिलते है 1789 में जब अपदस्थ स्टेट्स जनरल की बैठक बुलाई गई तो मताधिकार के मुद्दे पर प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्टेट्स के मध्य मतभेद हो गया प्रथम व द्वितीय स्टेट्स के लोग स्वयं को मिले विशेषाधिकारों को छोड़ने को तैयार नहीं थे वहीं तृतीय स्टेट्स अपने मताधिकारों में वृद्धि की मांग कर रहा था

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

2. अतः इसी मुद्दे पर तृतीय स्टेट्स के लोग बाहर टेनिस कोर्ट में चले गए और यहीं से क्रांति की शुरुआत हुई जिसने विश्व को स्वतंत्रता, समानता, बंधुता जैसी विचारधारा को फैलाया भारतीय संविधान के प्रस्तावना में भी यहीं से यह विचार लिया गया है फ्रांस की क्रांति ने यह बता दिया कि-

" जो समाज अपने विशेषाधिकारों को अपने सिद्धांतों से ज्यादा महत्व देता है वह दोनों से हाथ धो देता है "

इसी प्रकार प्रगतिशीलता के लक्षण हमें रूस की क्रांति में भी नजर आते है जिसने 1917 में अत्याचारी जार के शासन को उखाड़ फेंका और एक सर्वहारा की सरकार स्थापित की जो मार्क्सवाद की विचारधारा से प्रभावित

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

भी सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय की अवधारणा को प्रतिपादित किया, इस क्रांति की प्रगतिशीलता इसी से समझा जा सकता है कि पश्चिमी देशों ने भी समाजवाद व नियोजन के कुछ लक्षण पश्चिमी देशों ने भी अपना लिए भारत में भी स्वतंत्रता के उपरांत नियोजन व योजना आयोग जैसी विचारधारा को लागू किया।

फिर प्रगतिशीलता का एक लक्षण द्वितीय विश्व युद्ध के बाद उपनिवेशभूमि में भी देखा जा सकता है जहां अब उपनिवेशों की जनता साम्राज्यवादी देशों के शोषण को सहने को तैयार नहीं थी अतः वह नवीन विचारों से प्रभावित होकर उपनिवेश का जुआँ अपने कंधे से फेंक देने को आमदा थी इसी

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

का परिणाम था कि 1942 में भारत में 'भारत छोड़ो आंदोलन आंदोलन हुआ' और 1947 में भारत आजाद हुआ इसी प्रकार श्रीलंका, इंडोनेशिया, मलेशिया जैसे देशों को भी आजादी मिली अफ्रीका में तो जनता ने हिंसक तरीके से प्रतिक्रिया व्यक्त की केन्या में माओ-माओ आंदोलन चला तो अल्जीरिया में खूनी संघर्ष हुए लेकिन अन्त में इन्हें स्वतंत्रता की प्राप्ति हुई जो प्रगतिशीलता का ही द्योतक है जिसने रूस की क्रांति की विचारधारा को सिद्ध किया कि -

" आम जनता में असीम साहस होता है यदि वह संगठित होकर अन्याय के खिलाफ लड़े तो उसे हरा देगा"
→ रूसी क्रांति

इसी प्रकार प्रगतिशीलता का एक लक्ष्य स्वतंत्रता के उपरांत भारत में भी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

3. दिखता है भारतीय संविधान में सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक न्याय को स्थापित करने के लिए अनेक प्रावधान किए गए संविधान की प्रस्तावना यह उद्घोषणा करती है कि वह सामाजिक, आर्थिक राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, धर्म व उपासना की स्वतंत्रता व प्रतिष्ठा व अवसर की समता का उल्लेख करती है भारतीय संविधान में इन लक्ष्यों को विभिन्न अनुच्छेदों के साथ स्वीकृत किया गया है।

अनु. 15 में धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग इत्यादि के आधार पर विभेद पर रोक है तो वहीं अनु. 16 में लोक नियोजन में अवसर की समानता की बात कही गयी है अनु. 17 अस्पृश्यता के उन्मूलन की बात करता है और ऐसा कोई भी कृत्य दंडनीय अपराध भी है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

नागरिक अधिकार एवं संरक्षण अधिनियम -1956 इसका प्रावधान करता है अनु॰ 335 में प्रशासनिक दक्षता बनाए रखते हुए अनुसूचित जाति व जनजातियों को आरक्षण का प्रावधान है अनु॰ 338(A), अनु॰ 338(A) अनु॰ 338(B) में अनुसूचित जाति, जनजाति व पिछड़ा वर्ग के लिए एक आयोग का भी प्रावधान है इसी प्रकार प्रगतिशीलता के पथ पर बढ़ते हुए 1992 में पिछड़े वर्ग के लोगों को भी 27% आरक्षण का प्रावधान किया गया।

इसी प्रकार महिलाओं को भी मूलभूत अधिकार दिए गए उनकी स्थिति में सुधार के लिए हिन्दू विवाह अधिनियम-1955 लाया गया जिसमें महिलाओं को भरण, पोषण व तलाक लेने का प्रावधान भी शामिल किया गया साथ

drishti | दृष्टि The Vision

ही महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए शिक्षा व स्वास्थ्य तक उनकी पहुंच सुनिश्चित करने के लिए भी आरक्षण का प्रावधान आज गर्भवती महिलाओं को 'मैटरनिटी लिव' की सुविधा भी दी गई है।

इसी प्रकार भारतीय समाज में भी प्रगतिशीलता के लक्षण देखने को मिलते है आज बढ़ते औद्योगीकरण व नगरीकरण के दौर में जाति व धर्म के बंधन टूट रहे है अन्तर्जातीय व अन्तर्धर्म के विवाह में वृद्धि हो रही है 'लव मैरिज' का कानसेप्ट जोर पकड़ता जा रहा है जो यह दर्शाता है कि समाज की मानसिकता में समय के साथ परिवर्तन भी आ रहा है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

4.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

फिर उपरोक्त सभी तथ्य जो हमें प्रगतिशीलता की ओर उन्मुख करते है वहीं एक प्रश्न यह भी है कि क्या हम वास्तव मे प्रगतिशील हो गए है? इस प्रश्न का गहराई से विश्लेषण आवश्यक है, आज जहां अमेरिका एक तरफ आर्थिक व सामाजिक विकास का केन्द्र बना हुआ है तो वहीं दूसरी तरफ वहां व्यापक नस्लीय भेदभाव भी है कुछ महीने पहले पुलिस द्वारा वह एक 'काले व्यक्ति' को मार दिया दिया जिसके विरोध में व्यापक आंदोलन 'Black Matter' चला।

फिर जो अमेरिका मानवाधिकारो का स्वयं को संरक्षक घोषित करता है वह अफगानिस्तान व इराक

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

में मानवाधिकारो का शत्रु जैसे बन जाता है फिर वह यह क्यो समर्थन देता है कि केवल विश्व के 5 देशो के पास ही नाभिकीय हथियार हो अन्य के पास नहीं, क्या यह प्रगतिशीलता का लक्षण है? वहीं विश्व बैंक व ~~अमेरिक~~ आई.एम.एफ जैसे संस्थाओं पर पश्चिमी देशो का वर्चस्व क्यों है? सभी देशो में समानता का व्यवहार क्यो नहीं।

वहीं बात अगर भारत कि करे तो यहां भी प्रगतिशीलता महज एक धोखा प्रतीत होती है जैसे- वर्तमान भारतीय समाज भी जातीय बंधनो से जकड़ा हुआ है अधिकांश शादियां जाति में ही होती है अंतर्धर्म व अंतर्जातीय विवाह के नाम पर हत्याएं भी होती है जैसे-

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

गुजरात, केरल की घटना, फिर
महिलाओं का शोषण भी है
एवं बलात्कार, दहेज हत्या
जैसी घटनाएं आज भी
समाज में विद्यमान है जो
हमारी प्रगतिशीलता पर प्रश्नचिन्ह
लगाते है।

अतः यह स्पष्ट है
कि राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय
स्तर पर प्रगतिशीलता के
अनेक लक्षण देखने को
मिलते है जिसने समाज
को एक नई दिशा दी
है चाहे वो भारतीय
संविधान हो या अमेरिका
क्रांति फिर भी वर्तमान
में अनेक समस्याएं भी
विद्यमान है जो हमें
यह सोचने पर मजबूर
करती है कि क्या यही
प्रगतिशीलता है? अतः हम

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

5. मिलकर उन समस्याओं और
कमजोरियों को दूर करने
की आवश्यकता है अतः किसी
प्रख्यात कवि ने कहा है -

"हमने लम्बा सफर तय कर
लिया, लेकिन अभी भी
मीलों चलना शेष है"

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

खण्ड - B.

2. बुद्धिमान व्यक्ति इस या उस राज्य का नहीं बल्कि दुनिया का नागरिक होता है —

"सपने वे नहीं जो खुली आँखों से देखे जाएँ, बल्कि वे है जो व्यक्ति को सोने न दे"

यह घटना 18 वी सदी की है एक बच्चा स्कूल जाता था लेकिन वह पढ़ने में सबसे कमजोर था अध्यापक द्वारा बार-बार प्रयास करने के बावजूद वह बच्चा अन्य बच्चों की भाँति नहीं हो पा रहा था अतः अध्यापक द्वारा बच्चे की माँ को बुलाकर यह कह दिया गया कि 'यह बच्चा अन्य बच्चों के साथ नहीं चल पा रहा है अतः माँ ने बच्चे को लेकर घर आयी तो बच्चे ने पूछा की माँ मुझे स्कूल

Copyright – Drishti The Vision Foundation

6. से क्यों निकाल दिया गया
तो माँ ने बच्चे का हौसला
बनाये रखने के लिए कहा
कि अन्य स्कूल के बच्चे तुम्हारे
साथ नहीं चल पा रहे इसी
बच्चे ने आगे चलकर हजारों
प्रयोग करके बल्ब का आविष्कार
किया जिसका नाम थामस एडीसन
था, आज पूरा विश्व उसी सिद्धांत पर
काम कर रहा और रोशन हो रहा
अतः यह स्पष्ट है कि बुद्धिमान व्यक्ति
किसी एक राज्य का नहीं अपितु
सम्पूर्ण विश्व का नागरिक होता
है|

बुद्धिमानता वस्तुतः क्या होती
है? आधुनिक दृष्टिकोण से इसका
अर्थ है तार्किक चिंतन को धारण
करना, मानवतावाद केन्द्रित विचारधारा
को अपनाना व सभी धर्मों
के प्रति सहृदयता का भाव
रखना यही बुद्धिमानता का परिचायक
है एक बुद्धिमान व्यक्ति अपने
द्वारा किए जाने कृत्यों से
व अपने विचारों से कुछ

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

नवीन दृढ़ता है जो वहां के
निवासियों के साथ अन्य
पर भी अपना प्रभाव डालता
है यह सामाजिक, आर्थिक,
राजनैतिक, वैज्ञानिक व नैतिक
सभी क्षेत्रों में देखने को
मिलता है|

सामाजिक क्षेत्र में हमारे
सामने कई ऐसे उदाहरण
देखने को मिलते है
जैसे - महात्मा बुद्ध जिन्होंने अपने
समय में व्याप्त वर्ण व्यवस्था,
हिंसा के प्रति विद्रोह का
भाव रखा और मध्यममार्ग
जैसा सिद्धांत दिया इसने
न केवल तात्कालिन समाज को
अपितु वर्तमान समाज को
भी मार्गदर्शन देता है अपने
मध्यमार्ग के दृष्टिकोण के
कारण आज यह कारपोरेट
जगत में भी लोकप्रिय है|

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

मध्यकालीन भारत में एक प्रमुख संत कवि कबीर थे जिन्होंने तात्कालिन वर्णव्यवस्था, सांप्रदायिक, जातीय, श्रेष्ठता, भाषायी अभिजात्य व अतिरेकपन के विरुद्ध अपनी पीड़ा व्यक्त कि उन्होंने तात्कालिन समाज जो एक तरफ भोगविलास में डूबा हुआ था तो वही दूसरी तरफ निचला वर्ग अन्न के लिए तरसता रहा था कि वेदना से पीड़ीत होकर कहा -

"साईं इतना दीजिए जामें कुटुम समाय मैं भी भूखा न रहूं साधू न भूखा जाए"

यह वाक्य वर्तमान समय में एक प्रेरणा का स्रोत हो सकता है जब समाज असमानता से ग्रस्त है क्रेडिट स्वीस की रिपोर्ट के अनुसार टाप 1% लोगो के पास राष्ट्रीय संपत्ति का 60% है जो घोर असमानता का दर्शाता है कबीर का उपरोक्त कथन आज सम्पूर्ण विश्व के लिए सुसंगत है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

7. इसी प्रकार आधुनिक भारत में महात्मा गांधी ने समाज का मार्गदर्शन किया उन्होंने जिन विचारों का प्रयोग कर भारत को स्वतंत्रता दिलाया उनके विचार आज सम्पूर्ण विश्व के लिए एक मार्गदर्शक का कार्य करते है ब्रिटेन व अमेरिका जैसे देशो सिविल सेवाओ में इसका प्रशिक्षण दिया जाता है, सांप्रदायिकता व घृणा पर चोट करते हुए कहा था कि -

"आँख के बदले आँख सम्पूर्ण विश्व को अंधा बना देगी"

इसी प्रकार वे पर्यावरण के प्रति भी सहृदयता का भाव रखते थे जहां एक तरफ उपभोक्तावादी समाज अधिक से अधिक उपभोग कि बात करता था तो वही गांधी का मानना था कि उपभोग व उत्पादन को बढ़ाना

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

समस्या का समाधान नहीं है अपितु समस्या का समाधान उपभोग को कम करने में है वर्तमान पर्यावरण संकट से त्रस्त समाज के लिए यह प्रेरणा हो सकता है गाँधी ने कहा कि -

"पृथ्वी हमारी आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकती है इच्छाओं की नहीं"

इसी प्रकार नेल्सन मंडेला जिन्होंने दक्षिण अफ्रीका में रंग-भेद के खिलाफ जोरदार आंदोलन चलाया और सम्पूर्ण विश्व का ध्यान आकर्षित किया उन्ही के प्रयासों से 1994 में (रंग-भेद) जैसी खराब नीति को समाप्त किया गया इसी प्रकार की प्रतिक्रिया अमेरिका में मार्टिन लूथर किंग व रोजा पार्क्स ने किया और रंगभेद के अमानवीय

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

नीति को खत्म किया, अतः उपरोक्त सभी विचारकों ने सामाजिक क्षेत्र में सम्पूर्ण विश्व का मार्गदर्शन किया और वे सम्पूर्ण विश्व के नागरिक बन गए।

वहीं आर्थिक क्षेत्र में कुछ ऐसे महान विचारक हुए जिन्होंने विश्व अर्थव्यवस्था को एक नई दिशा दी जैसे - एडम स्मिथ व जान मेनार्ड कीन्स प्रमुख हैं, एडम स्मिथ ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'weath of Nation' में मुक्त व्यापार की अवधारणा को प्रतिपादित किया उनका मानना था कि व्यापार में सरकार को अहस्तक्षेप की नीति अपनाई जानी चाहिए ताकि सभी देशों को लाभ हो इनके द्वारा प्रतिपादित सिद्धांत 200 वर्षों तक व्यापार का संचालन करता रहा।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

8\.

लेकिन 1929 में आयी आर्थिक मंदी ने इस विचार पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया, अब एक नये अर्थशास्त्री का जन्म हुआ जो 'जान मेनार्ड केन्स' था उसका मानना था कि मांग प्रबंधन में सरकार की प्रमुख भूमिका होनी चाहिए इन्हीं की नीतियों से प्रभावित होकर अमेरिकी राष्ट्रपति रूजवेल्ट ने न्यू डील-नीति को प्रतिपादित किया और अमेरिका के साथ सम्पूर्ण विश्व मंदी की चपेट से बाहर आया वर्तमान समय में भी लगभग सभी देश केन्सियन अर्थशास्त्र से प्रभावित है अतः मैं सम्पूर्ण विश्व के नागरिक हो गए।

उसी प्रकार वैज्ञानिक क्षेत्र में महान वैज्ञानिकों ने अपना योगदान दिया जिससे सम्पूर्ण विश्व आज भी उनके योगदानों

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

का ऋणी है इसमें न्यूटन प्रमुख है जिन्होंने गिरते सेब को देखकर गुरुत्वाकर्षण का नियम दे डाला आज राकेट को दौड़ना हो या अंतरिक्ष यात्री को भेजना सभी गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत पर कार्य करते है उसी प्रकार आर्किमडीज ने उत्प्लावन का सिद्धांत दिया जिससे यह पता चला कि जहाज पानी में तैरते कैसे है बर्फ का टुकड़ा कैसे तैरता है।

फिर स्टीफन हाकिन्स जो पूरी तरह विकलांग थे लेकिन बिग-बैंक-सिद्धांत की गुत्थी सुलझाने में उनका महत्वपूर्ण योगदान है वही एस- चन्द्रशेखरन ने ब्लैक होल की अवधारणा को जन्म दिया और यह बताया कि यह कैसे प्रकाश को भी अवशोषित कर

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

लेता है वहीं एक प्रमुख कृषि वैज्ञानिक नार्मन बोरलाग जिन्होंने आनुवंशिक संशोधित फसलों का आविष्कार कर विश्व को भूख से मुक्त कराया अतः इन्होंने सम्पूर्ण विश्व को प्रभावित किया।

इसी प्रकार राजनीति मे भी कुछ बुद्धिमान नेताओं ने विश्व का मार्गदर्शन किया जैसे- अब्राहम लिंकन आज इनके द्वारा दिया गया लोकतंत्र की परिभाषा ~~[illegible]~~ 'To the people, by the people, for the people' लोकतंत्र की नीव है और सभी देशो के लिए यह प्रेरणा है। उसी प्रकार कार्ल मार्क्स जिन्होंने मार्क्सवाद का सिद्धांत दिया के विचार ने उद्योगपतियों व सरकारो को श्रमिको व

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

9. कमजोर वर्गों की ओर ध्यान देने पर मजबूर किया भारतीय संविधान की प्रस्तावना मे भी समाजवाद शब्द उल्लेखित है।

फिर भारत में जवाहरलाल नेहरू जैसे नेता प्रमुख है जिन्होंने सैन्य गुटों से पृथक रहते हुए गुटनिरपेक्षता की अवधारणा का विकास किया जिसने तृतीय विश्व के देशो का मार्गदर्शन किया फिर पंचशील का सिद्धांत जो अहस्तक्षेप, समानता व न्याय पर आधारित है सम्पूर्ण विश्व के लिए मार्गदर्शन का स्रोत है इसी प्रकार अटल बिहारी वाजपेयी जिन्होंने पड़ोसियों के साथ मित्रता की नीति को अपनाया था उनका मत था कि हम [illegible]

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

पड़ोसी चाहकर खुद शांत नहीं रख सकते अतः वे मानते थे :-

'हम मित्र बदल सकते है लेकिन पड़ोसी नहीं"

उसी प्रकार सांस्कृतिक क्षेत्र में मोहम्मद पैगंबर व ईसा मसीह शंकराचार्य को विश्व के योगदानों के लिए याद कर सकते है जिन्होंने समानता, मानवता की बात कही और इन सब का मानना था कि ईश्वर एक ही है और उसके पहुंचने व प्राप्त करने के मार्ग सबसे अलग-अलग हो सकते है अतः इन्होंने विश्व एकत्व की बात कही अतः ये सम्पूर्ण विश्व के गुरु या मार्गदर्शक बन गए

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अतः यह स्पष्ट है कि बुद्धिमान व्यक्ति के विचार व कार्य सम्पूर्ण विश्व को प्रभावित करते है इसलिए ये किसी सरहद का मोहताज नहीं होते इन पर मानव द्वारा बनायी गयी सरहद की दीवारे लागू नहीं होती है और ये सम्पूर्ण विश्व के नागरिक हो जाते है साथ ही ये सम्पूर्ण विश्व के आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक व सांस्कृतिक जीवन को प्रभावित करते है अतः सदा यह गीत सत्य हो जाता है -

"ये पंछी हवा के झोंके
कोई सरहद इन्हे न रोके"

Copyright – Drishti The Vision Foundation